सीमा सुरक्षा बल

ब्लॉक नं. 10, सीजीओ कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड़, नई दिल्ली-110003

दिनांक 21 नवंबर 2025

प्रेस विज्ञप्ति

भुज, गुजरात में आयोजित हुआ सीमा सुरक्षा बल का हीरक जयंती समारोह

भारत के माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बल के जवानों को किया पदकों से सम्मानित

सीमा सुरक्षा बल 27 बटालियन ने जीती बल की 'जनरल चौधरी ट्रॉफी'-2025

संक्रियात्मक अभियानों में श्रेष्ठता के लिए 94 बटालियन को किया महानिदेशक ध्वज से सम्मानित

'सर्वश्रेष्ठ फील्ड 'जी' टीम के लिए भानुप्रतापपुर, छत्तीसगढ़ को लगातार दूसरी बार किया गया 'महानिदेशक ट्रॉफी' से सम्मानित

सीमा प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ फ्रंटियर के लिए 'महाराणा प्रताप ट्रॉफी' तथा प्रशिक्षण और खेल गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए 'अश्विनी कुमार ट्रॉफी' से जम्मू फ्रंटियर को किया गया सम्मानित

परेड में सर्वप्रथम शामिल बल की 'स्काई डाइविंग टीम' रही आर्कषण का केंद्र

बल की हीरक जयंती अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने बल कार्मिकों के शौर्य को समर्पित एक डाक टिकट जारी किया।

आज भुज, गुजरात में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति में सीमा सुरक्षा बल के हीरक जयंती समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि ने शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर, परेड स्थल पर पहुंचकर परेड की सलामी ली।

2. यह प्रथम अवसर है जब सीमा सुरक्षा बल परेड का आयोजन गुजरात में किया गया है। इस अवसर पर सीमा प्रहरियों ने राष्ट्र के प्रति अपने ध्येय वाक्य 'जीवन पर्यंत कर्त्तव्य' की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। विश्व के सबसे बड़े सीमा रक्षक बल के रूप में प्रसिद्ध सीमा सुरक्षा बल देश की पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगती 6386.36 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर तैनात है।

3. परेड में सीमा सुरक्षा बल के 12 पैदल दस्तों ने भाग लिया जिसमें 11 फ्रंटियर्स के पैदल दस्ते और एक महिला पैदल टुकड़ी शामिल थी। विभिन्न उपक्रमों की टुकड़ियों ने बल के शौर्य और पराक्रम को परिभाषित करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। परेड में सीमा सुरक्षा बल की तोपखाना रेजिमेंट, लोकप्रिय ऊंट सवार दस्ता व ऊंट सवार बैंड, घुड़सवार दस्ता, श्वान दस्ता, संचार दस्ता शामिल थे। अश्रू गैस इकाई, एयर विंग, वाटर विंग, सेनवोस्टो, BSF Institute of Communication & Information Technology (BICIT), BSF Institute of Adventure and Advance Training (BIAAT) की झाकियों ने बल की बहुआयामी प्रगति का प्रदर्शन किया।

4. बल इतिहास में पहली बार, बल की स्काई डाइविंग टीम ने परेड मैदान में सटीक लैंडिंग कर निडरता व बल की उच्च प्रशिक्षण क्षमताओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समारोह में ऊंट सवार प्रहरियों के प्रदर्शन, महिला प्रहरियों का शानदार पाइप बैंड, सुप्रसिद्ध व विश्व रिकार्ड धारक बल की पुरूष मोटरसाईकिल टीम 'जांबाज' व महिला टीम 'सीमा भवानी' का प्रदर्शन, **K-9** यूनिट का शानदार डेमोंस्ट्रेशन आदि आर्कषण का केंद्र रहे। इस वर्ष बल

अस्तित्व में शामिल हुए 'ड्रोन वारफेयर स्कूल' के अनूठे ड्रोन शो ने बल की उन्नत तकनीकी क्षमताओं को प्रस्तुत किया।

5. श्री दलजीत सिंह चौधरी, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल ने अपने संबोधन में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की बल दिवस परेड पर उपस्थिति के लिए सीमा प्रहरी परिवार की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की। महानिदेशक ने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने अपनी प्रतिबद्धताओं व बदलती सीमावर्ती चुनौतियों के बीच स्वयं को एक सशक्त व बहुआयामी बल के रूप में स्थापित किया है, जो कुशलतापूर्वक अपनी विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

6. माननीय मुख्य अतिथि श्री अमित शाह जी ने सर्वप्रथम कर्त्तव्य की वेदी पर प्राणों की आहुति देने वाले बल के बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दी। महोदय ने बल के यूएन मिशन में अपनी जान देने वाले प्रहरियों के परिजनों को गैलेंट्री मेडल देते हुए सेवानिवृत्त कार्मिकों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रेसिडेंट मेडल से सम्मानित किया।

परेड के शानदार आयोजन व प्रहरियों के बलिदान, समर्पण और देशभक्ति की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि महोदय ने बल के जवानों का मनोबल बढ़ाया साथ ही "ऑपरेशन सिंदूर" में बल की शानदार भूमिका के लिए प्रहरी परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

7. मुख्य अतिथि महोदय ने देश की पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर पाकिस्तान द्वारा ड्रोन से की जा रही तस्करी तथा घुसपैठ के मौजूदा खतरे को रोकने के लिए उठाए गए कदमों एवं भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए किए गए उपायों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने बल की उपलब्धियों, नई पहलों तथा उत्पन्न होने वाली भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा आगामी वर्षों में बल को तकनीकी रूप से सक्षम बनाए जाने की दिशा में प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

बल की हीरक जयंती अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने बल कार्मिकों के शौर्य को समर्पित एक डाक टिकट जारी किया।

8. माननीय मुख्य अतिथि ने कहा कि आपने अपने शौर्य और पराक्रम से जिस प्रकार देश की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को सुरक्षित रखा है यह आपके 'भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति' होने का प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत करता हैं। संबोधन में मुख्य अतिथि महोदय ने बीते छह दशकों से सीमा सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में बल द्वारा की जा रही प्रभावी भूमिका की जमकर सराहना की।

9. इसके बाद मुख्य अतिथि महोदय ने बल के जवानों को वीरता के लिए पदक, सेवारत तथा सेवानिवृत्त जवानों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान प्रतिष्ठित 'जनरल चौधरी ट्रॉफी' 27 बटालियन सीमा सुरक्षा बल को उसके असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रदान की गई। संक्रियात्मक श्रेष्ठता के लिए महानिदेशक ध्वज 94 बटालियन को प्रदान किया गया। 'सर्वश्रेष्ठ फील्ड 'जी' टीम के लिए भानुप्रतापपुर, छत्तीसगढ़ को लगातार दूसरी बार 'महानिदेशक ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ सीमा प्रबंधन के लिए 'महाराणा प्रताप ट्रॉफी' तथा खेल एवं प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए 'अश्विनी ट्रॉफी' फ्रंटियर जम्मू को प्रदान की गई।

जनसंपर्क अधिकारी
सीमा सुरक्षा बल

Google Drive Link Raw Photos –
https://drive.google.com/drive/folders/1VxsDyJkSw-NBsM_djCAx2h3k9gJ_8IFV?usp=share_link

सिंदूर वन

सिंदूर वन

BORDER SECURITY FORCE
B S F

BORDER SECURITY FORCE
B S F

BORDER SECURITY FORCE
B S F

BORDER SECURITY FORCE

ऑपरेशन
सिंदूर

BORDER SECURITY FORCE
B.S.F

सीमा सुरक्षा बल
हीरक जयंती समारोह -2025

सीमा सुरक्षा बल
हीरक जयंती समारोह -2025

SCHOOL OF DRONE WARFARE
BSF EYE
SKY

BSF AIR WING
AN EMERGING AIR POWER

<u>सूचना पत्र</u>

<u>राष्ट्र की सेवा में विश्व के सबसे बड़े सीमा रक्षक बल के 60 वर्ष</u>

- 1965 में बटालियनों की संख्या महज 25, 2025 में 193 ।
- पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी 6386 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा।
- जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर, कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु मणिपुर में, नक्सलवाद के विरुद्ध उड़ीसा और छत्तीसगढ़ राज्यों में, विभिन्न आंतरिक सुरक्षा कर्त्तव्यों तथा संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में कार्यरत।

04 आपदा प्रबंधन बटालियनों सहित कुल 193 बटालियनें, लगभग 2.76 लाख बहादुर पुरुष और महिला प्रहरी, आर्टिलरी रेजिमेंट, वायु स्कंध, जल स्कंध, ऊँट, श्वान और अश्व दस्ता, उन्नत संचार व्यवस्था, सुदृढ़ प्रशिक्षण अवसंरचना एवं अत्याधुनिक चिकित्सा तंत्र से सुसज्जित एवं समर्थित । विश्व का सबसे बड़ा सीमा रक्षक बल, 'भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति' से विख्यात ।

अपने आदर्श वाक्य 'जीवन पर्यन्त कर्त्तव्य' का अनुसरण करते हुए सीमा सुरक्षा बल ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम सहित मई-जुलाई 1999 के कारगिल युद्ध में अत्यंत महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय योगदान दिया है। 1971 के युद्ध में जहाँ इस बल ने युद्ध शुरू होने से पहले ही 'मुक्ति वाहिनी' की सहायता कर इसके सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण देकर सक्षम बनाया वहीं कारगिल युद्ध में इस बल ने सेना के साथ मिलकर पहाड़ों की ऊँचाइयों पर राष्ट्र की अखंडता की रक्षा की । हाल ही के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भी पश्चिमी मोर्चे पर तैनात बल सदस्यों ने इस ऑपरेशन की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1. **<u>वर्ष 2025 के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्य/विशिष्ट उपलब्धियाँ</u>** –

- ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बल सदस्यों द्वारा निभाई गई उत्कृष्ट भूमिका के सम्मान में राष्ट्र द्वारा 2-वीर चक्र और 16-वीरता पदकों से नवाजा जाना ।
- सीमा सुरक्षा बल अकादमी ग्वालियर, मध्य प्रदेश में Drone Warfare School की स्थापना ।
- नक्सलरोधी अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ क्षेत्र में बल की तैनाती का विस्तार ।
- अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बल खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, दो खिलाड़ियों का आउट ऑफ टर्न प्रमोशन ।
- समूह 'बी' एवं 'सी' के सामान्य ड्यूटी (जीडी) कार्मिकों और जल स्कंध (वाटर विंग) संवर्ग के लिए कैडर समीक्षा ।
- समूह 'बी' एवं 'सी' के योग्य पदाधिकारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के दिन अगला मानद पद (ऑनरेरी) देने का कार्यान्वयन ।
- सेवारत एवं सेवानिवृत्त बल सदस्यों के अध्ययनरत बच्चों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन ।
- गुजरात के एकता नगर में 'राष्ट्रीय एकता दिवस परेड' का सफल आयोजन ।
- 'उन्नत उच्च ऊंचाई वाले 'अल्पाइन प्रशिक्षण एवं पर्वतारोहण अभियान-2025' का सफल आयोजन ।
- सीमा सुरक्षा बल और एनएमसीजी (राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा अभियान) द्वारा महिलाओं के लिए गंगा नदी राफ्टिंग अभियान ।
- बल के वायु स्कंध (वाटर विंग) में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर की नियुक्ति ।

2. वीरता पुरस्कार

बल अपने उन 2013 वीर और बलिदानी सदस्यों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने कर्त्तव्य की वेदी पर असाधारण पराक्रम दिखाते हुए अपना जीवन बलिदान किया। अब तक, वर्ष 2025 के दौरान भी 21 वीर सीमा प्रहरियों ने सीमाओं की पवित्रता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। बल सदस्यों के बलिदान और वीरता से कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें, उनके सम्मान में अब तक 01 महावीर चक्र, 15 वीर चक्र, 6 कीर्ति चक्र, 13 शौर्य चक्र, 47 सेना पदक, 234 पीएमजी (राष्ट्रपति का वीरता पदक) और 1028 जीएम (वीरता पदक) से सम्मानित कर चुका है। 2025 में, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सीमा सुरक्षा बल सदस्यों को निम्नलिखित पदकों से सम्मानित किया गया -

i)	वीर चक्र	– 02
ii)	वीरता पदक (जीएम)	– 21
iii)	उत्कृष्ट सेवा पदक (एमएसएम)	– 92
iv)	विशिष्ट सेवा राष्ट्रपति पदक (पीएसएम)	– 10
	कुल	**– 125**

3. **प्रमुख प्रशासनिक पहलें**:-

क) **ग्रुप 'बी' और 'सी' के सामान्य ड्यूटी (जीडी) कर्मचारियों और जल स्कंध कैडर की कैडर समीक्षा**

i) बल में ग्रुप 'बी' और 'सी' के कर्मचारियों की हालिया कैडर समीक्षा एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार है, जिसने निरीक्षक तक के पद तक उनकी पदोन्नति में गतिरोध को दूर किया गया है। इस कैडर समीक्षा के बाद, अब तक ग्रुप 'बी' और 'सी' में कुल 19,526 पदोन्नतियाँ दी जा चुकी हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बल सदस्यों के करियर की प्रगति और उनके मनोबल को बढ़ाने वाला यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

ii) जल स्कंध कैडर - बल के जल स्कंध (लड़ाकू तकनीकी कर्मचारी) के ग्रुप 'ए', 'बी' और 'सी' की पहली कैडर समीक्षा को मंजूरी दे दी गई है और इसे लागू भी कर दिया गया है।

ख) **अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बल खिलाड़ियों की आउट ऑफ टर्न पदोन्नति**:-

i) बल की 10वीं बटालियन के आरक्षक अनुज द्वारा विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों, अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता और विश्व वुशु चैंपियनशिप सहित हाल के अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेल आयोजनों में प्रदर्शित असाधारण खेल प्रतिभा और हासिल उल्लेखनीय सफलताओं के लिए उन्हें, आरक्षक से मुख्य आरक्षक के पद पर आउट ऑफ टर्न पदोन्नति प्रदान की गई।

ii) इसी प्रकार, बल की केंद्रीय वुशु टीम की सदस्या, 155वीं बटालियन की आरक्षक शिवानी को भी ब्राजील में 17वीं विश्व वुशु चैंपियनशिप-2025 में रजत पदक जीतने के लिए आरक्षक से मुख्य आरक्षक के पद पर प्रोन्नत किया गया। विदित हो कि शिवानी को यह पदोन्नति बल में अपनी सेवा शुरू करने के महज 05 महीने के अंदर ही मिली है। जहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि बल के किसी भी संवर्ग में आउट ऑफ टर्न प्रमोशन 21 वर्षों के अंतराल के बाद प्रदान किया गया है।

ग) **सीमा सुरक्षा बल अकादमी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में ड्रोन वारफेयर स्कूल की स्थापना**-

सीमा सुरक्षा बल ने अपने सीमा प्रबंधन को उन्नत तकनीकी क्षमताओं से लैस करने व राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के क्रम में सीमा सुरक्षा बल अकादमी, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में एक ड्रोन वारफेयर स्कूल की स्थापना की है। उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित यह केंद्र, ड्रोन और ड्रोन-रोधी अभियानों में प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार के लिए कार्य करेगा, साथ ही भारत की सीमाओं पर ड्रोन-आधारित खतरों का पता लगाने, उनकी निगरानी करने और उन्हें बेअसर करने की क्षमता को बढ़ाने से, बल और भी मज़बूत बनेगा।

घ) **<u>बल के वायु स्कंध (एयर विंग) में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर की नियुक्ति</u>** -

बल ने अपने 60 साल के गौरवमयी इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि तब हासिल की है, जब अक्टूबर 2025 में उसने इंस्पेक्टर भावना चौधरी को पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया।

3. **<u>सीमा के बारे में संक्षिप्त जानकारी</u>**:-

सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रबंधित अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की कुल लंबाई - 6386.36 किमी

- भारत-पाक सीमा - 2289.66 किमी
- भारत-बांग्लादेश सीमा - 4096.70 किमी
- कुल सीमांत - 13
- कुल बटालियनें - 193 (4 आपदा प्रबंधन बटालियनों सहित)
- नियंत्रण रेखा (एलसी) - 143.077 किमी(भारतीय सेना के साथ संयुक्त प्रबंधन)

4. **<u>ऑपरेशनल उपलब्धियाँ</u>**:-

क) पश्चिमी और पूर्वी दोनों क्षेत्रों में, 1 नवंबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 तक हासिल बल की प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं-

<u>Seizure/ Apprehension/ Killing etc.</u>

Srl No.	Nomenclature	Western Theatre	Eastern Theatre	Total
1.	Narcotics (in Kg)	486.433	19928.555	**20414.99**
2.	FICN (Face Value in INR)	-	13,65,400.00	**13,65,400.00**
3.	Arms (in Nos.)	228	13	**241**
4.	Ammunition (in Nos.)	4952	10792	**15744**
5.	Apprehension	362	12201	**12563**
6.	Killing of miscreants/ smugglers on border	9	13	**22**
7.	Gold	0.649	64.470	**65.119**
8.	Silver	-	279.557	**279.557**
9.	Sighting/ detection of UAV/ Drone	1816	136	**1952**
10.	Detection of IEDs	9	-	**9**
11.	Bombs	6	4	**10**
12.	Grenades	41	-	**41**
13.	Gelatine Stick	-	5	**5**
14.	Detonators	2	607	**609**
15.	Explosive (in KGs)	7.545	-	**7.545**

ख) <u>भारत-पाक सीमा पर तस्करों/राष्ट्रविरोधी तत्वों की कार्यप्रणाली</u>

भारत-पाक सीमा पर तस्करों/ राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा अपनाई जा रही कार्यप्रणाली में बाड़ के नीचे सुरंग खोदकर, पीवीसी पाइप के माध्यम से तस्करी, बाड़ नशीले पदार्थों, हथियारों आदि की तस्करी के लिए ड्रोन/यूएवी का उपयोग, बाड़ के ऊपर से चीजों को फेंकना, कृषि उपकरणों का उपयोग और नदियों के रास्ते सीमा पार करना जैसे तरीके शामिल हैं।

ग) <u>भारत-पाक सीमा पर सीमा सुरक्षा बल द्वारा की गई प्रभावकारी पहल</u>

भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा को अभेद्य बनाने के लिए सीमा सुरक्षा बल द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदम इस प्रकार हैं :-

i) सीमा पर घुसपैठिए ड्रोन का पता लगाने हेतु, Anti Drone System की स्थापना।

ii) वर्तमान में, पश्चिमी सीमाओं पर 23 Anti Drone System कार्यरत हैं। इस प्रणाली में घुसपैठिए ड्रोन का पता लगाने सहित जैमिंग, स्पूफिंग और साइबर टेकओवर तंत्र के माध्यम से उसे रोकने की भी क्षमता है। यह रणनीति पश्चिमी सीमा पर बेहद कारगर साबित हो रही है।

iii) बल ने पश्चिमी सीमा पर 100 अल्ट्रा-लाइट थर्मल इमेजर तैनात किए हैं, जो कॉम्पैक्ट और हल्के हैं और इन्हें हाथ में पकड़े जाने वाले उपकरण और हथियार पर लगे दृश्य उपकरण के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें बिना किसी सक्रिय रोशनी के पूर्ण अंधेरे, धुएं और कोहरे में लक्ष्यों की पहचान करने की क्षमता है। इसका उपयोग बहु-भूमिकाओं में किया जा रहा है, जिसमें प्रत्यक्ष गोलीबारी, टोही, निगरानी और वाहन व निगरानी चौकियों से स्थितियों का अवलोकन इत्यादि शामिल है।

iv) बेहतर निगरानी के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी/पीटीजेड और बुलेट कैमरे लगाए गए हैं।

v) तकनीकी समाधान और कमांड एवं नियंत्रण (सी-2) केंद्रों की स्थापना करके कमियों को पूरा किया जा रहा है।

vi) उन्नत निगरानी के लिए एचएचटीआई(HHTI) की तैनाती।

vii) जम्मू, सीमांत के अंतर्गत गहराई वाले क्षेत्रों पर सुदृढ़ प्रभुत्व और मजबूत पकड़ बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बटालियन को घुसपैठ रोधी भूमिका में तैनात किया गया है।

viii) आरएफ(RF) स्कैनर विधि और सैनिकों द्वारा नियमित सुरंग-रोधी अभ्यास।

घ) <u>भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करों/ राष्ट्र विरोधी तत्वों की कार्यप्रणाली</u>-

भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के क्षेत्रों में पर सक्रिय तस्कर और राष्ट्रविरोधी तत्व आमतौर पर नदियों के प्राकृतिक प्रवाह, नदी क्षेत्रों के कारण बने प्राकृतिक अंतरालों का फायदा उठाते हैं। तस्कर आमतौर पर ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य कृषि उपकरणों में सोना छिपाते हैं, बाड़ के ऊपर फेंकते हैं, मानव शरीर के अंदर सोने के बिस्कुट छिपाकर तस्करी करते हैं, महिलाओं और बच्चों द्वारा कपड़ों के अंदर सोना और अन्य महंगी वस्तुओं को छिपाते हैं, सीमा पार व्यापार में शामिल किए जाने वाले ट्रकों, गाड़ियों के अंदर सोना इत्यादि प्रतिबंधित वस्तुओं को छुपाते हैं ।

च) <u>भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल की पहल</u>

भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सीमा सुरक्षा बल ने कुछ उल्लेखनीय पहल की हैं जिनका संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है-

i) बल द्वारा गठित 15 मानव तस्करी विरोधी इकाइयाँ (एएचटीयू), स्थानीय पुलिस और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के समन्वय से सीमांत क्षेत्रों में कार्यरत हैं और तस्करी को रोकने के साथ-साथ अवैध प्रवासन को रोकने में भी सक्षम साबित हो रही हैं।

ii) सीमाओं की निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक स्तर पर संवेदनशील इलाकों का मानचित्रण।

iii) प्रभावी क्षेत्र प्रभुत्व के लिए बल गुणक के रूप में हैंड हेल्ड थर्मल इमेजर (एचएचटीआई), नाइट विजन डिवाइस (एनवीडी), ट्विन टेलीस्कोप, मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) जैसे निगरानी उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है।

iv) धुबरी (असम) में पायलट परियोजना के रूप में व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सीआईबीएमएस) स्थापित की गई है, जो अच्छे परिणाम दे रही है।

v) प्रारंभिक चेतावनी उपकरणों (ईडब्ल्यूई)/घुसपैठ अलार्म प्रणाली जैसे- आईआरआईडीएस, मोशन सेंसर, एलबीएस आदि का उपयोग।

vi) बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ समकालिक समन्वित गश्त (एससीपी)।

vii) नदी क्षेत्रों पर नियंत्रण के लिए जलयानों/नावों और तैरती सीमा चौकियों का उपयोग।

viii) नियमित बैठकों और बातचीत के माध्यम से ग्रामीणों के साथ समन्वय। 'प्रहरी मित्र' की अवधारणा, जिसमें सीमावर्ती आबादी राष्ट्र-विरोधी तत्वों (एएनई) के खिलाफ सीमा सुरक्षा बल के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करती है, बहुत सफल साबित हुई है।

छ) <u>अवैध विदेशी नागरिकों के बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय विवरण एकत्र करने के लिए बायोमेट्रिक उपकरणों की स्थापना</u>

गृह मंत्रालय के निर्देश पर, अवैध रूप से भारतीय सीमा में प्रवेश करने का प्रयास करते समय पकड़े गए सभी विदेशी नागरिकों के बायोमेट्रिक विवरण विदेशी पहचान पोर्टल (FIP) पर प्रासंगिक विवरण के साथ एकत्र किए जाते हैं। भारत-बंगलादेश सीमा पर ऐसे कुल 1098 में से 250 बायोमेट्रिक उपकरण स्थापित किए जा चुके हैं ।

ज) <u>बॉडी वॉर्न कैमरे का उपयोग</u>

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात बल सदस्य, राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए बॉडी वॉर्न कैमरे का इस्तेमाल कर रहे हैं। बल ने उस क्षेत्र के लिए 5,291 बॉडी वॉर्न कैमरे खरीदे हैं।

झ) <u>ईएसवीपी (संवेदनशील इलाकों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी) की स्थापना</u>

पश्चिम बंगाल के 281.70 किलोमीटर सीमा क्षेत्र में ईएसवीपी (कमजोर क्षेत्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी) परियोजना का पहला चरण भारत-बांग्लादेश सीमा के आसपास के 325 संवेदनशील क्षेत्रों को कवर करने के लिए लागू किया गया है। पश्चिम बंगाल में तैनात सीमा प्रहरी इस तकनीक का समुचित उपयोग कर रहे हैं।

6) **<u>छत्तीसगढ़ और उड़ीसा राज्यों में नक्सलरोधी अभियानों में सीमा सुरक्षा बल:-</u>**

क) वर्ष 2009 से, इस बल को निम्नलिखित अधिदेश के साथ नक्सल विरोधी अभियानों में तैनात किया गया है:-

- नक्सलरोधी अभियानों के संचालन में राज्य पुलिस की सहायता करना।
- विकास कार्यों के कार्यान्वयन में नागरिक प्रशासन को सहायता प्रदान करना।
- स्थानीय आबादी में सुरक्षा की भावना पैदा करना।

ख)	वर्तमान में, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा राज्य में नक्सलरोधी अभियानों के तहत सीमा सुरक्षा बल की 14 बटालियन तैनात हैं साथ ही, 4 सेक्टर मुख्यालय, 2 सीमांत और 1 कमांड मुख्यालय स्थापित किए गए हैं।

ग)	बल की ये बटालियनें छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर जिलों और उड़ीसा के कोरापुट, कंधमाल, कालाहांडी, बौध और मलकानगिरी जिलों में तैनात हैं।

घ)	01 नवंबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 तक छत्तीसगढ़ और उड़ीसा, इन दोनों ही राज्यों में बल की संक्रियात्मक उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:-

आत्मसमर्पण, गिरफ्तारी और ज़ब्ती आदि

क्रम संख्या	**नामकरण**	**छत्तीसगढ़**	**ओडिशा**
1.	नक्सलियों का आत्मसमर्पण	152	-
2.	नक्सलियों की गिरफ्तारी	42	29
3.	नक्सली (मारे गए)	21	1
4.	आईईडी का पता लगाना	29	10
5.	बम	47	-
6.	ग्रेनेड	1	2
7.	विस्फोटक (किलोग्राम)	2.170	9.000
8.	हथियार	188	13
9.	गोला बारूद-	793	-
10.	जिलेटिन स्टिक	-	108
11.	डेटोनेटर	14	94
12.	मादक पदार्थ (किलोग्राम)	-	672.000

च)	<u>प्रभावित क्षेत्र का विस्तार</u>:- मार्च 2026 तक नक्सल गतिविधियों को समाप्त करने के संबंध में गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप, सीमा सुरक्षा बल के जवान नारायणपुर (छत्तीसगढ़) और कंधमाल (ओडिशा) क्षेत्रों में नक्सली इलाकों में लगातार नए पोस्ट (सीओबी) स्थापित कर रहे हैं।

छ)	<u>क्षेत्र में बल की तैनाती के बाद से हुए रुझानों और परिवर्तनों का विस्तृत विश्लेषण</u>:- नक्सली प्रभाव कम हुआ है और पिछले कुछ वर्षों में नक्सलवाद के सभी प्रारूपों की तीव्रता,अभिव्यक्तियों और प्रभाव क्षेत्र में उल्लेखनीय गिरावट आई है। अबूझमाड़ क्षेत्र में नए सीओबी की स्थापना से नक्सलियों की गतिविधियों में भारी कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण किया गया है। जहाँ तक उड़ीसा का संबंध है, इस क्षेत्र में बल के विस्तार ने नक्सलियों को आंध्र-उड़ीसा सीमा क्षेत्र और मध्य उड़ीसा क्षेत्रों से भागने को विवश किया है।

ज)	<u>नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सीमा सुरक्षा बल द्वारा आयोजित जनहितकारी कार्यक्रम</u>:- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सिविल एक्शन प्रोग्राम (जन हितकारी कार्यक्रम) के अंतर्गत बल की 14 बटालियनों को रुपये 2,13,00,000/- (दो करोड़ तेरह लाख रुपये) आवंटित किए गए। आवंटित धनराशि का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से दूरस्थ क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा जनजातीय व स्थानीय लोगों के दिलों में सरकारी तंत्र के प्रति विश्वास दिलाना है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 13 अक्टूबर 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 2,31,00,000/- रुपये (दो करोड़ इकतीस लाख रुपये) का बजट भी जारी कर दिया गया है और उसी के अनुसार इसका उपयोग किया जा रहा है।

झ)	<u>परिस्थितियों पर नियंत्रण पाने में बल की सफलता</u>:-

छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर में सीमा सुरक्षा बल तैनात है, जिसके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ राज्य में नक्सली गतिविधियों में उल्लेखनीय कमी आई है। इसी प्रकार उड़ीसा के कोरापुट, मलकानगिरी , कंधमाल, बौध और कालाहांडी जैसे जिलों में भी ऐसी गतिविधियों में लगातार कमी देखी गई है।

सीमा सुरक्षा बल के अथक प्रयासों से, दोनों राज्यों का प्रशासन इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुँचने में सक्षम हुआ है और आम जनता को विभिन्न सरकारी नीतियों और योजनाओं का लाभ मिला है।

7. संयुक्त राष्ट्र अभियान में सीमा सुरक्षा बल की तैनाती: -

क) सीमा सुरक्षा बल, विभिन्न शांति अभियानों में संयुक्त राष्ट्र संघ की सहायता करने की ज़िम्मेदारी उठाने वाला राष्ट्र का पसंदीदा सुरक्षा बल रहा है। वर्तमान समय में यह बल निम्नलिखित तीन श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र संघ में सेवाएं प्रदान कर रहा है:-

i) पेशेवर पद ।

ii) व्यक्तिगत पुलिस अधिकारी:- बल सदस्य, व्यक्तिगत पुलिस अधिकारी के रूप में शांति स्थापना में निरंतर अहम योगदान दे रहे हैं।

iii) गठित पुलिस इकाई: गठित पुलिस इकाई किसी संगठन की एक समेकित इकाई होती है, जो सभी आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होती है और किसी भी प्रकार की सुरक्षा स्थितियों, जैसे सार्वजनिक व्यवस्था प्रबंधन, काफिले का अनुरक्षण, वीआईपी सुरक्षा, भीड़ के छिटपुट हमलों जैसी स्थितियों से निपटने और उनका प्रबंधन करने में सक्षम होती है। बल ने दो अलग-अलग अभियानों में एफपीयू (Fomed Police Unit , गठित पुलिस इकाई) के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति स्थापना अभियानों में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। ये अभियान हैं: MINUSTAH (हैती - जिसे अक्टूबर 2017 में वापस ले लिया गया था) और MONUSCO (लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो)

ख) संयुक्त राष्ट्र मिशन में बल की वर्तमान तैनाती:-

वर्तमान में, 18वीं भारतीय संगठित पुलिस इकाई (आईएफपीयू) 5 जून 2025 से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के उत्तरी किवु प्रांत के मदीबा शिविर, बेनी में तैनात है। इस टुकड़ी का नेतृत्व एक कमांडेंट रैंक के अधिकारी करते हैं और इसमें कुल 159 कर्मी (7 अधिकारी, 9 अधीनस्थ अधिकारी और 143 अन्य रैंक) हैं। इन 159 कर्मियों में से 25 महिलाएं हैं, जिनमें एक सीएमओ (ओजी) रैंक की महिला डॉक्टर और 24 महिला आरक्षक शामिल हैं।

8. **सामान्य ड्यूटी वर्ग में महिला प्रहरी**:-

बल ने अपने संगठन में महिला प्रहरियों को मजबूत स्थान दिया है। शुरुआत में महिलाओं को, क्रमशः वर्ष 1972 और 1985 में चिकित्सा और अनुसचिवीय/लिपिक वर्ग में शामिल किया गया था। किन्तु सामान्य ड्यूटी के लिए महिलाओं के पहले बैच (639 महिला प्रहरी) को 2008 में बल में शामिल किया गया । सामान्य ड्यूटी की पहली महिला अधिकारी 2016 में बल शामिल हुईं। आज, इस बल में 12,544 से अधिक महिलाएँ कार्यरत हैं, जिनमें से 162 राजपत्रित अधिकारी हैं। महिला प्रहरी पश्चिमी और पूर्वी सीमाओं सहित वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के ऑपरेशनल कर्त्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं। आज इस बल में महिला डॉक्टर, इंजीनियर और अनुसचिवीय कर्मचारी उपलब्ध हैं।

9. **<u>सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार की गतिविधियाँ</u>**: -

क) <u>निजी क्लाउड प्रतिष्ठान</u>

बल की आईटी विंग ने निजी क्लाउड, आईटी अवसंरचना स्थापित की है और यह बल निजी क्लाउड स्थापित करने वाला प्रथम केंद्रीय सशस्त्र बल है।

ख) <u>बीएसएफ प्रहरी मोबाइल ऐप</u>

महानिदेशक बीएसएफ द्वारा 19 सितंबर 2025 को यह ऐप लॉन्च किया गया । इस ऐप में ई अवकाश की सुविधा है। इसके माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात जवान अब अपनी छुट्टी के लिए ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं।

ग) <u>पूर्वी और पश्चिमी सीमा सहित नक्सलरोधी क्षेत्रों में तैनात क्षेत्रीय संरचनाओं में विशिष्ट संचार उपकरणों को स्थापित किया जाना</u> -

- i) आईपीपी और इंटरनेट से जुड़े एंडपॉइंट्स के लिए 13,000 एंडपॉइंट डिटेक्शन एंड रिस्पांस (ईडीआर) समाधान स्थापित किए गए हैं।
- ii) अप्रचलित एनालॉग बेस्ट इक्विपमेंट और स्मार्ट इक्विपमेंट के स्थान पर 408 स्मार्ट प्लस उपकरण प्रदान किए गए हैं।
- iii) सभी दूरस्थ चौकियों को प्रभावी संचार व संवाद हेतु नवीनतम रेडियो सिस्टम (वीएचएफ और एचएफ) प्रदान किए गए हैं।

10. **<u>बीएसएफ एयर विंग:-</u>**

बीएसएफ का अपना वायु स्कंध (एयर विंग) है, जिसका गठन 1969 में हुआ था। आज इसके बेड़े में 22 एयर क्राफ्ट हैं, जिनमें फिक्स्ड विंग और विभिन्न प्रकार के हेलीकॉप्टर शामिल हैं। व्यापक रूप से इसका उपयोग 8 एयर बेसों से आवश्यकतानुसार विभिन्न सुरक्षा बलों को सहायता प्रदान करने के लिए किया जाता है। कश्मीर से लेकर उत्तर-पूर्व सीमा पर तैनात और नक्सलरोधी क्षेत्रों में तैनाती के दौरान एयर विंग के हेलीकॉप्टर जवानों के लिए जीवन रेखा हैं ।

इस बेड़े का संचालन पेशेवर एयर क्रू और इंजीनियरों की एक टीम किया करती है। इस बेड़े में भारतीय वायुसेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के पूर्व सदस्य भी शामिल हैं। आने वाले वर्षों में बल की हवाई संपत्तियों के दायरे बढ़ाने और परिचालन क्षमता के विस्तार के प्रयास निरंतर जारी है।

11. **<u>अभियांत्रिकी निदेशालय</u>**:-

बल के अभियांत्रिकी निदेशालय द्वारा कार्यालय/आवासीय भवन एवं स्वच्छता कार्य योजना के तहत आने वाले प्रमुख कार्यों/बुनियादी ढांचे के विकास हेतु निम्नलिखित राशि स्वीकृत की गई है:-

- बल की प्रमुख लोकेशनों पर विभिन्न भवनों के निर्माण, नवीनीकरण एवं अन्य कार्यों हेतु 987.14 करोड़ रुपये।
- सीमा चौकियों पर बुनियादी ढांचे के निर्माण और बिजली कनेक्शन के लिए 138.33 करोड़ रुपये।

12. **<u>चिकित्सा निदेशालय की प्रमुख पहलें</u>**: -

क) <u>रक्तदान शिविरों का आयोजन</u>:-

मानवीय सेवा के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत सीमा सुरक्षा बल विभिन्न स्थानों पर नियमित रक्तदान शिविरों का आयोजन किया करता है। इस वर्ष के दौरान भी आयोजित इन शिविरों में बल सदस्यों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अस्पतालों, सशस्त्र बलों के कर्मियों और ज़रूरतमंद नागरिकों की

सहायता के लिए रक्तदान किया। यह पहल न केवल देश की सीमाओं की रक्षा के लिए, बल्कि करुणा और ज़िम्मेदारी के साथ समाज की सेवा करने के लिए बल के समर्पण को भी दर्शाती है। बल द्वारा पिछले दिनों आयोजित किए गए प्रमुख रक्तदान शिविर निम्नलिखित हैं:-

- 18 जुलाई 2025 को दिल्ली/ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रेड क्रॉस के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।
- 04 अगस्त 2025 को एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से महिला अधिकारियों सहित 372 बीएसएफ कर्मियों ने इस नेक कार्य के लिए रक्तदान किया।
- बल ने "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" के तहत और राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस (एनवीबीडीडी) मनाने के लिए देश भर में लगभग 40 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया।

ख) उन्नत चिकित्सा उपकरणों की खरीद:-

बहादुर सीमा कर्मियों और उनके आश्रितों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, बल ने अल्ट्रासाउंड कलर डॉप्लर मशीन, मल्टीपैरा मॉनिटर, सीआर सिस्टम वाली एक्स-रे मशीन जैसे उन्नत चिकित्सा उपकरण खरीदे हैं। हेमेटोलॉजी एनालाइजर, पूर्णतः स्वचालित बायो-केमिस्ट्री एनालाइजर आदि स्थापित करके यूनिट अस्पताल के उन्नयन के प्रयास किए गए हैं।

ग) एम्स, नई दिल्ली में आघात एवं आपातकालीन प्रबंधन:-

बल के चिकित्सा अधिकारी अपनी चिकित्सकीय क्षमताओं में वृद्धि एवं अपने चिकित्सा कौशल में सुधार के लिए एम्स, नई दिल्ली में आघात एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, ताकि बल सदस्यों और उनके आश्रितों को बेहतर और प्रभावी उपचार प्रदान किया जा सके। अब तक, 50 चिकित्सा अधिकारी यह प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं, जबकि 10 अन्य चिकित्सा अधिकारी वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

घ) पंच प्राण:-

एम्स नई दिल्ली, एम्स गुवाहाटी और एम्स बिलासपुर में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ सहित बल के चिकित्सा कर्मियों के लिए ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (उन्नत स्तर) प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। इन प्रशिक्षण में 37 कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है।

च) सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) सह सेमिनार:-

चिकित्सा क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के बारे में जागरूकता बढ़ाने और पेशेवर ज्ञान की क्षमता में सुधार के लिए, समग्र/सीमांत स्तर पर सीएमई सह सेमिनार आयोजित किए गए, जिससे जीडीएमओ और विशेषज्ञों सहित बीएसएफ चिकित्सा अधिकारी लाभान्वित हुए।

छ) स्वास्थ्य जागरूकता पुस्तिका:-

बीएसएफ सदस्यों में विभिन्न रोगों और चिकित्सीय स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में जागरूकता फैलाने के प्रयास के में, 21 अगस्त 2025 को हिंदी और अंग्रेजी में एक स्वास्थ्य जागरूकता पुस्तिका जारी की गई। यह पुस्तक बीएसएफ कर्मियों के लिए बीओपी स्तर तक वितरित की गई है। इस पुस्तिका में निम्नलिखित प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है:-

- पोषण और संतुलित आहार
- मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन
- शारीरिक स्वास्थ्य और व्यायाम

- निवारक स्वास्थ्य सेवा
- जीवनशैली रोग जागरूकता

ज) ई-अस्पताल:-

रोगी बल सदस्यों को चिकित्सा सेवा प्रदान करने की एक कागज़रहित प्रणाली बनाने के लिए, बीएसएफ अस्पतालों में ई-अस्पताल परियोजना शुरू की गई है। वर्तमान में यह परियोजना चुनिंदा बीएसएफ अस्पतालों में ही शुरू की गई है। निकट भविष्य में इसे सभी बीएसएफ अस्पतालों में लागू किया जाएगा।

झ) हीमोडायलिसिस इकाई की स्थापना:-

किडनी फेलियर सीमा प्रहरियों और उनके आश्रितों, जिन्हें नियमित रूप से हीमोडायलिसिस की आवश्यकता होती है, की सुविधा के लिए, सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय अस्पताल-II में पाँच हीमोडायलिसिस मशीनों वाली एक हीमोडायलिसिस इकाई स्थापित की जा रही है। इससे बड़ी संख्या में जरूरतमंद बल सदस्यों और उनके आश्रितों को हेमोडायलिसिस का लाभ और सुविधा मिलेगी।

13. **प्रशिक्षण गतिविधियाँ: -**

क) आधुनिकीकरण योजनाओं सहित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण उपलब्धियाँ-

आधुनिकीकरण योजना-IV के अंतर्गत, बल की प्रशिक्षण क्षमताओं के संवर्धन हेतु भारत सरकार द्वारा विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। तदनुसार, खरीद प्रक्रियाधीन है:-

i) 02 मिस एंड हिट टारगेट सिस्टम (LOMAH), CSWT (केंद्रीयआयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय) BSF इंदौर और BSF अकादमी, ग्वालियर, प्रत्येक के लिए एक।

ii) TC&S (प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय) BSF हजारीबाग के लिए दो MMG फायर सिम्युलेटर।

iii) विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के लिए नौ बहुउद्देशीय व्यायामशाला (अकादमी ग्वालियर-01, TC&S हजारीबाग-01, CSWT इंदौर-01, 25 बटालियन BSF-01 और सहायक प्रशिक्षण केंद्र (1x5)-05) ।

iv) तीन डिजिटल सैंड मॉडल, CSWT BSF इंदौर, TC&S BSF हजारीबाग और Ftr मुख्यालय BSF, जम्मू, प्रत्येक के लिए एक।

v) बीएसएफ अकादमी ग्वालियर के लिए एक रिफ्लेक्स शूटिंग रेंज (विद्युत और सिविल कार्यों सहित) ।

vi) बीएसएफ अकादमी ग्वालियर के लिए चार डेटा वीडियो वॉल।

vii) सीएसएमटी बीएसएफ टेकनपुर के लिए दो मध्यम और हल्के वाहन चालन प्रशिक्षण सिम्युलेटर।

viii) भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ की ओर से केंद्रीय निशानेबाजी टीम (खेल) के लिए सैंतीस नवीनतम हथियार।

ix) बारह उन्नत लघु शस्त्र प्रशिक्षण सिम्युलेटर (08 लेन) (एएसएटीएस), बीएसएफ अकादमी ग्वालियर और सभी 11 सहायक प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी) में से प्रत्येक में एक।

x) सीएसडब्ल्यूटी बीएसएफ इंदौर के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग टारगेट।

ख) खेल/चैंपियनशिप में उपलब्धियाँ-

अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप:-

i) वुशु टीम के आरक्षक दुर्गेश्वर ने 28 फ़रवरी से 2 मार्च 2025 तक एथेंस, ग्रीस में आयोजित 5वें एक्रोपोलिस अंतर्राष्ट्रीय वुशु ओपन टूर्नामेंट-2025 में भाग लिया और 75 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता।

ii) बल की केंद्रीय वुशु टीम के आरक्षक अनुज ने 5-10 अप्रैल 2025 तक जियांगयिन, जिआंगसू, चीन में आयोजित 'IWUF 10वें सांडा विश्व कप-2025' में भाग लिया और पुरुषों के 52 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने 2 से 7 जुलाई 2025 तक जिलिन, चीन में आयोजित दूसरे वुशु सांडा एशियाई कप में भी भाग लिया और 52 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए, उन्हें आउट ऑफ टर्न आरक्षक से मुख्य आरक्षक के पद पर प्रोन्नत किया गया।

iii) बल की विभिन्न केंद्रीय टीमों के खिलाड़ियों ने 26 जून 2025 से 6 जुलाई 2025 तक बर्मिंघम, अमेरिका में आयोजित 'विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल-2025' में भाग लिया और विभिन्न श्रेणियों में कुल 74 पदक (38 स्वर्ण, 21 रजत और 15 कांस्य) जीते।

iv) वुशु टीम की महिला आरक्षक शिवानी ने 31 अगस्त 2025 से 7 सितंबर 2025 तक ब्रासीलिया, ब्राजील में आयोजित '17वीं विश्व वुशु चैंपियनशिप-2025' में भाग लिया और 70 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्हें भी आउट ऑफ़ टर्न आरक्षक से मुख्य आरक्षक बनाया गया।

विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बल की खेल टीमों की उपलब्धियाँ

सीमा सुरक्षा बल की केंद्रीय टीमों ने पिछले वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट (टीम और व्यक्तिगत दोनों श्रेणियों) में भाग लिया और निम्नलिखित पदक जीते:-

स्वर्ण – 83
रजत – 91
कांस्य – 72
कुल – 246

ग) दिव्यांगों का प्रशिक्षण-

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 2016 में "सुगम्य भारत अभियान" के तहत दिल्ली/एनसीआर स्थित बल के छावला कैंप में DSDC (दिव्यांग कौशल विकास केंद्र) की स्थापना की गई। यह केंद्र सीमा सुरक्षा बल सहित देश के अन्य केंद्रीय सशस्त्र बलों के बहादुर दिव्यांगों के पुनर्वास और विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है।

4 अक्टूबर 2025 को दिव्यांग कौशल विकास केंद्र (डीएसडीसी), छावला, नई दिल्ली में एक दीक्षांत समारोह (कौशल दीक्षांत समारोह) का आयोजन किया गया, जिसमें 48 दिव्यांग प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए आयोजित 'कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) पाठ्यक्रम (ट्रेड संख्या -04) (एक वर्षीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ट्रेड) को सफलतापूर्वक पूरा किया और उत्तीर्ण हुए।

घ) साहसिक खेल और प्रशिक्षण-

साहसिक प्रशिक्षण और खेल के क्षेत्र में, सीमा सुरक्षा बल साहसिक एवं उन्नत प्रशिक्षण संस्थान (BIAAT), देहरादून ने वर्ष में निम्नलिखित दो प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए:-

- 02 08. 2025 को सीमा सुरक्षा बल साहसिक एवं उन्नत प्रशिक्षण संस्थान, डोईवाला देहरादून से 6000 मीटर से अधिक ऊंची, चार चोटियों को फतह करने के लिए पर्वतारोहण अभियान को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन चोटियों में लाहौल और लद्दाख क्षेत्र में माउंट युनम (6111 मीटर), माउंट थुग्जे (6128 मीटर), माउंट थुग्जे पूर्व (6080 मीटर) और माउंट मेंटोक (6250 मीटर) शामिल थीं। अभियान का उद्देश्य 1995 में नुब्रा घाटी, काराकोरम पर्वतमाला में माउंट सासेर कांगड़ी-1 (7672 मीटर) के अभियान के दौरान शहीद हुए बल के 13 पर्वतारोहियों को श्रद्धांजलि देना भी था। साथ ही इस अभियान का उद्देश्य "स्वच्छ भारत-स्वच्छ हिमालय" और "हम फिट तो इंडिया फिट अभियान" के बारे में जागरूकता फैलाना भी रहा। टीम ने 3 सितंबर 2025 को अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। 3 अक्टूबर 2025 को नई दिल्ली स्थित सीमा सुरक्षा बल के बल मुख्यालय में इस सफल दल का स्वागत किया गया।
- सीमा सुरक्षा बल और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने 2 नवंबर 2024 से 24 दिसंबर 2024 तक गंगोत्री (उत्तराखंड) से गंगासागर (पश्चिम बंगाल) तक "महिला सशक्तिकरण एवं स्वच्छ गंगा अभियान" के संदेश के साथ 2500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 'गंगा नदी राफ्टिंग अभियान-2024' आयोजित किया। इस अभियान की विशेषता यह थी कि इस दल में केवल महिलाएं ही शामिल थीं।

14. **<u>प्रशासनिक गतिविधियाँ: -</u>**

क) <u>बल के दिव्यांग सदस्यों, दिवंगतों के आश्रितों व सेवानिवृत सदस्यों को राहत और पुनर्वास</u>-

बल ने पिछले एक वर्ष में अपने दिव्यांग सदस्यों, दिवंगतों के परिजनों व सेवानिवृत सदस्यों के कल्याण हेतु विभिन्न कदम उठाए हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार से हैं-

- चार दिव्यांग सीमा प्रहरी शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए QMTI (क्वीन मैरीज़ टेक्निकल इंस्टीट्यूट), पुणे में दीर्घकालिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।
- सात दिव्यांग बल सदस्य शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए QMTI, पुणे में दीर्घकालिक व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्राप्त कर रहे हैं।

ख) <u>प्रमुख कल्याणकारी उपाय</u>

कर्त्तव्य निर्वाह के दौरान दिवंगत हुए बल सदस्यों के निकटतम परिजनों व सेवानिवृत सदस्यों के कल्याण के लिए किए गए प्रमुख कल्याणकारी उपाय:-

- 4927 सेवानिवृत्त बल सदस्यों को 6,64,36,585/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 226 दिवंगत बल सदस्यों के निकटतम संबंधियों को उनकी बेटियों/बहनों की शादी के लिए 3,07,00,000/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- बल सदस्यों के अध्ययनरत 300 बच्चों को 19,50,000/- रुपये की महानिदेशक योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- 1,14,25,00,000/- रुपये की वित्तीय सहायता उन बल सदस्यों के निकटतम संबंधियों को प्रदान की गई जिन्होंने सेवा के दौरान अपनी जान गंवाई।

ग) बल सदस्यों के अध्यनरत बच्चों की शिक्षा के लिए किए गए कल्याणकारी उपाय-

इसके अंतर्गत, बल सदस्यों के सुयोग्य एवं उचित पात्रता रखने वाले अध्यनरत बच्चों के लिए निम्नांकित राशि वितरित की गई है:-

- शिक्षा ऋण - 95 मामले, राशि 2.82 करोड़ रुपये।
- बीडब्ल्यूडब्ल्यूए सुकन्या छात्रवृत्ति - 100 मामले, राशि 15 लाख रुपये।
- बाल दिव्यांग छात्रवृत्ति - 03 मामले, राशि 45,000/- रुपये।
- यू.के. बंसल छात्रवृत्ति - 01 मामला, राशि 50,000/- रुपये।
- अश्विनी कुमार मेरिट छात्रवृत्ति - 01 मामला, 50,000/- रुपये।
- वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय पूल एमबीबीएस/बीडीएस कोटे के अंतर्गत बल सदस्यों के बच्चों को एमबीबीएस की 7 सीटें और बीडीएस की 01 सीट आवंटित की गई है।
- आरजेआईटी बीएसएफ अकादमी, ग्वालियर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (एआई एवं एमएल) तथा कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (डेटा साइंस) में दो नए बी.टेक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- बीएसएफ पॉलिटेक्निक, टेकनपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से तीन नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम (फार्मेसी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग) शुरू किए जाएंगे।

घ) बल के सेवारतऔर सेवानिवृत्त कर्मियों के अध्ययनशील बच्चों के कल्याण हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों/शिक्षा संस्थानों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का विवरण-

- बीएसएफ और सीएसआर एजुकेशनल ट्रस्ट, बेंगलुरु के बीच 18/11/2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-
  - बल द्वारा अनुशंसित छात्रों हेतु संस्थान की 100 सीटें निःशुल्क।
  - 100 निःशुल्क सीटों में से, बोर्डिंग का विकल्प चुनने वाले बच्चों को सालाना 1,75,000/- रुपये का एकमुश्त शुल्क देना होगा।
  - 100 से अधिक निःशुल्क सीटों के अलावा नामांकित बच्चों के लिए, कुल शुल्क (बोर्डिंग शुल्क सहित) पर 40% की एकमुश्त छूट दी जाएगी।
- बीएसएफ और रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भिलाई के बीच 21/04/2025 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौता ज्ञापन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-
  - बीएसएफ कर्मियों के बच्चों के लिए इंजीनियरिंग, प्रबंधन और विज्ञान पाठ्यक्रमों में 50% ट्यूशन शुल्क के साथ 400 सीटें आरक्षित। छात्रवृत्ति का भी प्रावधान।
  - यदि छात्र कॉलेज में छात्रावास सुविधा का विकल्प चुनते हैं, तो उनसे भोजन शुल्क की वास्तविक लागत वसूली जाएगी, जबकि छात्रों को आवास शुल्क पर 25% की छूट भी मिलेगी।
- बीएसएफ और डीएवी विश्वविद्यालय, जालंधर के बीच 08/05/2025 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसकी मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:-
  - बीएसएफ शहीदों के आश्रितों को वार्षिक शिक्षण शुल्क में 100% की छूट।
  - सेवारत बीएसएफ कर्मियों के 20 बच्चों को वार्षिक शिक्षण शुल्क में 100% की छूट।
  - सेवारत बीएसएफ कर्मियों के बच्चों को पहली 20 सीटों के बाद वार्षिक शिक्षण शुल्क में 40% की छूट।
  - सेवारत बीएसएफ कर्मियों के 20 बच्चों की छात्रावास किराया शुल्क में 25% की छूट।

- बीएसएफ और फिजिक्स वाला फाउंडेशन के बीच 14/10/2025 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसकी मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:-• बल के बलिदानियों के बच्चों को 100% छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
    - सेवारत और सेवानिवृत्त बीएसएफ कर्मियों के बच्चों को फिजिक्स वाला द्वारा उसके ऑफलाइन पाठ्यक्रमों पर 35% छात्रवृत्ति और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों पर 25% छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

च) केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुष्मान योजना-

सीमा प्रहरियों और उनके परिवारों को कैशलेस चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए लाभार्थियों के कुल 8,47,424 आयुष्मान कार्ड सक्रिय किए गए हैं।

छ) ई-आवास योजना

मौजूदा ई-आवास योजना के अंतर्गत, सीमा सुरक्षा बल को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के ई-आवास योजना की निगरानी के लिए नोडल बल के रूप में नामित किया गया है। 17 अक्टूबर 2025 तक, इस योजना के पोर्टल पर बल के 36445 क्वार्टरों की सूची अपलोड की गई। इस सूची में, 27,872 क्वार्टर बल कर्मियों को आवंटित भी किए जा चुके हैं।

ज) **भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए और बल में कार्यान्वित किए गए कुछ प्रमुख अभियान:**

वृक्षारोपण अभियान - 2025-

वर्ष 2025 के दौरान बल द्वारा एक सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें पूरे भारत में फैले सीमा सुरक्षा बल के विभिन्न परिसरों में और उसके आसपास की जगहों पर11,75,800 पौधे लगाए गए।

झ) विशेष अभियान 5.0

विशेष अभियान 5.0 दो चरणों में चलाया गया, 16 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 तक का समय इस अभियान का प्रारंभिक चरण था तो वहीं 2 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक इसका कार्यान्वयन चरण। इस अवधि के दौरान अनुपयोगी सामानों /वाहनों को बेचकर 10,564,901/- रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

ट) राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (एनबीएचएम)

गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार, "आत्मनिर्भर भारत" के अंतर्गत राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन के अंतर्गत, मुख्य प्रशिक्षक अवधारणा निर्माण' के उद्देश्य से सीमा सुरक्षा बल को देश के विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण आयोजित करने हेतु नोडल बल के रूप में नामित किया गया है। कृषि विभाग (राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड) के संकायों द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए इस विषय पर प्रशिक्षण की योजना का संचालन किया जा रहा है। सीमा सुरक्षा बल की कुल 243 जगहों का चयन मधुमक्खी पालन के लिए किया गया है और 2038 कर्मियों को प्रशिक्षित भी किया गया है।

15. **रसद निदेशालय**

क) पंजाब और जम्मू में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान बीएसएफ वॉटर विंग की भूमिका

पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ के दौरान, सीमा सुरक्षा बल वाटर विंग, माधोपुर, पंजाब ने असाधारण साहस, त्वरित प्रतिक्रिया और मानव सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का अनुपम प्रदर्शन किया। तेज़ धाराओं, जलमग्न भूभाग और तेज़ी से बिगड़ते मौसम जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के होने के बावजूद बीएसएफ वाटर विंग माधोपुर के कर्मियों ने उपलब्ध जलयानों और नावों का उपयोग करके कई दिनों तक राहत और बचाव

अभियानों का निरंतर संचालन किया। इस यूनिट ने कुल 1356 पीड़ितों को सफलतापूर्वक बचाया, जिनमें 546 नागरिक और 810 बीएसएफ सदस्य शामिल थे।

ख) जलीय सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए, निम्नलिखित जलयानों की खरीद प्रक्रियाधीन है: -

- 50 एचपी ओबीएम के साथ 27 एल्युमीनियम बोट।
- 05 ट्विन इंजन एफआरपी स्पीड बोट।
- 15 सिंगल इंजन एफआरपी स्पीड बोट।